नवबिहार टाइम्स
पटना

राष्ट्र गौरव का एहसास 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' : बाला लखेंद्र

पटना ट्रेनिंग कॉलेज में एनएसएस व पीयू पूर्ववर्ती छात्र संघ के संयुक्त तत्वावधान में आजादी का अमृत महोत्सव

[illegible]

राष्ट्र गौरव का अहसास है 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' : बाला लखेंद्र

पटना/संवाददाता। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ बाला लखेंद्र ने कहा है कि भारत एक बहुविध भाषा व संस्कृतियों

वाला देश है और यही इसकी मौलिक पहचान है। भारत की इसी मौलिकता से देश के युवाओं को परिचित कराना 'एक भारत- श्रेष्ठ भारत' का मूल उद्देश्य है। इस कार्यक्रम से जुड़कर युवा अपने गौरवशाली अतीत और हजारों वर्षों की सांस्कृतिक विरासत से परिचित हो रहे हैं। यह कार्यक्रम निश्चित रूप से भारत को और समृद्ध और सशक्त करेगा। वे बुधवार को पटना ट्रेनिंग कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना और पीयू पूर्ववर्ती छात्र संघ के सयुंक्त तत्वावधान में आयोजित " एक भारत-श्रेष्ठ भारत " कार्यक्रम में छात्रों को संबोधित कर रहे थे।

'राष्ट्र गौरव का एहसास है एक भारत-श्रेष्ठ भारत'

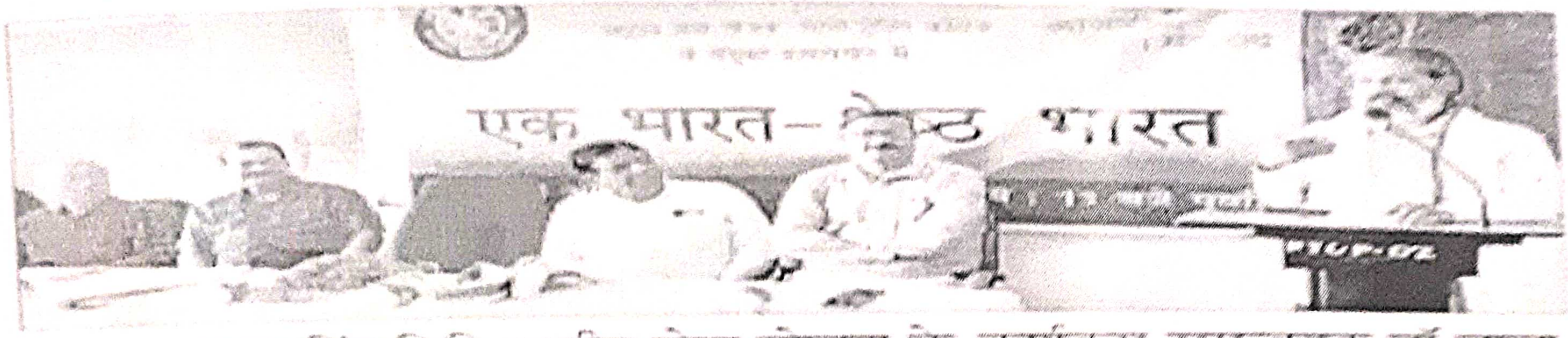

पटना. बनारस हिंदू विवि राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ बाला लखेंद्र ने कहा है कि भारत एक बहुविध भाषा व संस्कृतियों वाला देश है और यही इसकी मौलिक पहचान है. इसी मौलिकता से देश के युवाओं को परिचित कराना एक भारत–श्रेष्ठ भारत का मूल उद्देश्य है. ये बातें उन्होंने पटना ट्रेनिंग कॉलेज में सेवा योजना और पीयू पूर्ववर्ती छात्र संघ की ओर से आयोजित कार्यक्रम में कहीं. पीयू पूर्ववर्ती छात्र संघ के महासचिव डॉ ध्रुव कुमार ने 1994 में पटना विवि के छात्र रहे राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से सम्मानित डॉ लखेंद्र का स्वागत करते हुए कहा कि शहीदों के बलिदान और उनकी जीवनी से युवाओं को प्रेरणा लेने की जरूरत है. कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निदेशक डॉ पीयूष परांजपे ने ऑनलाइन माध्यम से छात्रों को संबोधित किया. मौके पर आकाशवाणी पटना के पूर्व निदेशक डॉ किशोर सिन्हा, पटना साइंस कॉलेज के डॉ कुमार सत्येंद्र यादव, डॉ ऋषिकेश, डॉ लक्ष्मी कुमारी, कुंदन कुमार व अन्य लोगों ने भी विचार व्यक्त किये.

राष्ट्र गौरव का एहसास है " एक भारत श्रेष्ठ भारत " : बाला लखेंद्र

पटना/प्रतिनिधि/ (मालंच नई सुबह.) पटना । बनारस हिंदू विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ बाला लखेंद्र ने कहा है कि भारत एक बहुविध भाषा व संस्कृतियों वाला देश है और यही इसकी मौलिक पहचान है। भारत की इसी मौलिकता से भारत के युवाओं को परिचित कराना " एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम " का मूल उद्देश्य है । इस कार्यक्रम से जुड़कर युवा अपने गौरवशाली अतीत और हजारों वर्षों की सांस्कृतिक विरासत से परिचित हो रहे हैं । यह कार्यक्रम निश्चित रूप से भारत को और समृद्ध और सशक्त करेगा।

वे बुधवार को पटना ट्रेनिंग कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना और पीयू पूर्ववर्ती छात्र संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित " एक भारत-श्रेष्ठ भारत " कार्यक्रम में छात्रों को संबोधित कर रहे थे ।

बाला लखेंद्र ने कहा कि वर्तमान समय में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय महत्व के दो प्रमुख कार्यक्रम देशभर में आयोजित किए जा रहे हैं । पहला-आजादी का अमृत महोत्सव और दूसरा-एक भारत श्रेष्ठ भारत। भारत की मौलिकता से देश के युवाओं को परिचित कराना " एक भारत श्रेष्ठ भारत " कार्यक्रम का मूल उद्देश्य है । इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 22 मार्च को साबरमती आश्रम में किया गया था और यह 15 अगस्त 2023 तक 75 सप्ताह तक पूरे देश में आयोजित किया जा रहा है । इसके माध्यम से भूले बिसरे स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया जा रहा है और स्थानीय स्तर पर युवाओं को भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की कहानियों से परिचित कराए जा रहे हैं ।

इस अवसर पर पीयू पूर्ववर्ती छात्र संघ के महासचिव डॉ ध्रुव कुमार ने 1994 में पटना विश्वविद्यालय के छात्र रहे राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से सम्मानित डॉ लखेंद्र का स्वागत करते हुए कहा कि शहीदों के बलिदान को याद करते हुए उनकी जीवनी से युवाओं को प्रेरणा लेने की जरूरत है और इस कार्य में शिक्षक और पूर्ववर्ती छात्रों की अहम भूमिका है ।

डॉ ध्रुव ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से भारत के युवा भारत की सांस्कृतिक विरासत को आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाएंगे, जिससे भारत और समृद्ध तथा सशक्त होगा।

अध्यक्षता करते हुए पटना ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आशुतोष कुमार ने कहा कि युवाओं में राष्ट्रगौरव का भाव जागृत करने में " एक भारत-श्रेष्ठ भारत " महत्वपूर्ण रोल अदा कर रहा है । उन्होंने कहा कि देश के लिए अपना कुछ न्योछावर करने वाले शहीद राष्ट्र के सांस्कृतिक गौरव हैं और उनके एकात्मता के मूल तत्व से युवाओं को जोड़ना अति आवश्यक है ।

इस अवसर पर आकाशवाणी पटना के पूर्व निदेशक डॉ किशोर सिन्हा, पटना साइंस कॉलेज के डॉ कुमार सत्येंद्र यादव, डॉ ऋषिकेश, राजलक्ष्मी कुमारी, कुन्दन कुमार, अमित कुमार भी अपने विचार व्यक्त किए